www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 265 | जौनपुर शनिवार, 16 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने वीडी सतीशन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वीडी सतीशन ने गुरुवार को राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा पेश किया। कांग्रेस विधायक दल द्वारा सर्वसम्मति से सतीशन को अपना नेता चुने जाने और यूडीएफ सहयोगियों द्वारा अपना समर्थन दिए जाने के तुरंत बाद मनोनीत मुख्यमंत्री ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन पत्र सौंपे। इस गठबंधन ने 140 सदस्यों वाले सदन में 102 सीटों की शानदार जीत के साथ विधानसभा चुनावों में जबरदस्त सफलता हासिल की थी।इसके बाद राज्यपाल ने सतीशन को अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया, जिससे सोमवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले की अंतिम संवैधानिक बाधा भी प्रभावी रूप से दूर हो गई। अब यह सुनिश्चित करने के प्रयास चल रहे हैं कि मुख्यमंत्री सहित 21 सदस्यों वाला पूरा मंत्रिमंडल सोमवार को ही एक साथ शपथ ले। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व सप्ताहांत से पहले पूरी कैबिनेट सूची को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है, ताकि सत्ता हस्तांतरण सुचारू और निर्णायक लगे ।

हम हिंदुओं के नहीं, बल्कि हिंदुत्व के खिलाफ हैं – आधव अर्जुन

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की सनातन विरोधी टिप्पणी पर विवाद खड़ा होने के बाद, मंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेता आधव अर्जुन ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदुओं के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदुत्व के खिलाफ है। पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री आधव अर्जुन ने स्पष्ट किया कि टीवीके जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव के खिलाफ है। उन्होंने कहा, हम हमेशा हिंदुओं, ईसाइयों और मुसलमानों को समान मानते हैं। हम सभी मान्यताओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि व्यक्तिगत रूप से वह भगवान में विश्वास नहीं करते, लेकिन एक मंत्री और विधायक के तौर पर वह सभी धर्मों और जातियों का सम्मान करते हैं। अर्जुन ने कहा, मुझे सम्मान करना है और हमारे नेता (मुख्यमंत्री विजय) को भी। यही भारतीय संविधान है। हम किसी भी तरह की ऊंच–नीच में विश्वास नहीं करते।मंत्री ने कहा, हम हिंदुओं के खिलाफ नहीं हैंय हम हिंदुत्व के खिलाफ हैं। हिंदुत्व का मतलब है किसी पर अपना धर्म थोपना। सनातन की अक्सर गलत व्याख्या की जाती है। उत्तर भारत में, सनातन का मतलब हिंदू होता है। लेकिन तमिलनाडु में, सनातन धर्म का मतलब असमानता है। विवाद हमेशा इसी बात पर होता है।

पीएम मोदी यूएई रवाना, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से होगी अहम मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अबू धाबी के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी के संयुक्त अरब अमीरात के आधिकारिक दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। इस दौरे के दौरान पीएम मोदी संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों जैसे सहयोग के खास क्षेत्र पर बातचीत करेंगे। इस दौरे से भारत और यूएई के बीच रणनीतिक और आर्थिक जुड़ाव और गहरा होने की उम्मीद है, जो खाड़ी क्षेत्र में भारत के खास साझेदार में से एक है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "यह दौरा दोनों देशों के बीच अहम व्यापार और निवेश जुड़ाव को बढ़ावा देगा।" आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी के दौरे के दौरान ऊर्जा सुरक्षा खास फोकस क्षेत्र में से एक होगा और एलपीजी और रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व के क्षेत्र में दो अहम एमओयू होने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यूएई पिछले 25 सालों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार और कुल मिलाकर निवेश का सातवां सबसे बड़ा सोर्स रहा है। यूएई में 4.5 मिलियन से ज्यादा भारतीय रहते हैं, इसलिए यह दौरा उनके कल्याण के बारे में बात करने का भी एक मौका होगा। मीडिया को जानकारी देते हुए, विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज ने पहले बताया कि अपने दौरे के दूसरे हिस्से में, प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। 2017 के बाद से यह प्रधानमंत्री का नीदरलैंड का दूसरा दौरा होगा। इस दौरे के दौरान, वह किंग विलेम–अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री रॉब जेटन से बातचीत करेंगे। तीसरे चरण में, पीएम मोदी स्वीडन के गोथेनबर्ग जाएंगे और अपने स्वीडिश समकक्ष, उल्फ क्रिस्टरसन के साथ बातचीत करेंगे, ताकि दोनों देशों के संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जा सके और दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग के नए रास्ते तलाशे जा सकें।

आंध्र प्रदेश में एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एन. चंद्रबाबू नायडू 15 मई 2026 को पुट्टपर्थी में आयोजित एयरोस्पेस और रक्षा परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। समारोह के दौरान वैमानिकी विकास एजेंसी के विमान एकीकरण और उड़ान परीक्षण केंद्र की आधारशिला रखी जाएगी। यह सुविधा उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह केंद्र विमान एकीकरण, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन से जुड़ी आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिससे स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम को गति मिलने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की अत्याधुनिक नौसेना प्रणाली निर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखेंगे। यह परियोजना टी. सिरासपल्ली गांव में स्थापित की जाएगी, जो अनाकापल्ली जिला में स्थित है। यह परिसर उन्नत जलमग्न हथियार प्रणालियों और नौसैनिक युद्ध प्रणालियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से विकसित किया जाएगा। समारोह में अग्नेयास्त्रा एनर्जेटिक्स लिमिटेड की डिफेंस एनर्जेटिक्स फैसिलिटी, एचएफसीएल लिमिटेड के गोला–बारूद और इलेक्ट्रिक फ्यूज प्लांट तथा कुरनूल में ड्रोन सिटी परियोजना का भी शिलान्यास किया जाएगा। अग्नेयास्त्रा एनर्जेटिक्स लिमिटेड, कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड की सहायक कंपनी है। इसकी डिफेंस एनर्जेटिक्स फैसिलिटी मदाकासिरा में स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार के साथ कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। इन परियोजनाओं को राज्य में रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सीएम सुवेंदु अधिकारी की पहल पर लगी मुहर, पश्चिम बंगाल को रेलवे की तीन बड़ी सौगात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेल मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के लिए तीन नई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को पत्र भेजकर जानकारी दी है। पहली परियोजना के तहत शालबनी–आद्रा तीसरी रेल लाइन, जो करीब 107 किलोमीटर लंबी है, के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। दूसरे पत्र में बताया गया है कि रेल मंत्रालय ने कोलकाता (संतरागाछी) से जयपुर (खातीपुरा) के बीच नई ट्रेन संतरागाछी–खातीपुरा एक्सप्रेस वाया खड़गपुर के परिचालन को मंजूरी दी है। तीसरी परियोजना के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी से सिलीगुड़ी जंक्शन के बीच लगभग 7.15 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन (दोहरीकरण) के सर्वे कार्य को मंजूरी दी गई है। इससे उत्तर बंगाल क्षेत्र में रेल यातायात और कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय की इन घोषणाओं को पश्चिम बंगाल के बुनियादी ढांचे और रेल नेटवर्क विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है और सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 307 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

देहरादून, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कुल 307 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। जिसमें 243 चिकित्सा अधिकारियों, 42 फार्मासिस्ट, उद्यान विभाग के अन्तर्गत 22 प्रयोगशाला सहायकों एवं मशरूम पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र केवल रोजगार का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश की सवा करोड़ जनता की सेवा का संकल्प पत्र है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड जैसे भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में संकट की घड़ी में जनता की पहली उम्मीद स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्मिक ही होते हैं। उन्होंने नव नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, समर्पण और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आयुष्मान योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को उपचार का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में अब तक 62 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किए जा चुके हैं तथा लगभग 12 लाख मरीजों का 2200 करोड़ रुपये से अधिक का कैशलेस उपचार किया जा चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण और संचालन तेजी से किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 5 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि 2 निर्माणाधीन हैं। इसके साथ ही 9 नर्सिंग कॉलेज और 3 नर्सिंग स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा हल्द्वानी में आधुनिक कैंसर संस्थान का निर्माण प्रगति पर है। दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए टेलीमेडिसिन एवं हेली एंबुलेंस सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि एवं उद्यानिकी को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कीवी, ड्रैगन फ्रूट, हाई डेंसिटी एप्पल, मशरूम उत्पादन तथा मधुमक्खी पालन जैसी उच्च मूल्य फसलों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव नियुक्त युवा प्रदेश को कृषि नवाचार और आधुनिक उद्यानिकी के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सभी भर्ती प्रक्रियाएं पूर्ण पारदर्शिता से हो रही है। प्रदेश में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है।

दिल्ली में हुआ 'आखिरी सवाल' का भव्य प्रीमियर, रेखा गुप्ता ने फिल्म की सराहना की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संजय दत्त स्टारर फिल्म आखिरी सवाल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के मेकर्स ने रिलीज से पहले बुधवार को दिल्ली में एक भव्य प्रीमियर आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कई राजनीतिक नेताओं समेत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने प्रीमियर के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए फिल्म की जमकर सराहना की। उन्होंने फिल्म की कहानी कहने के तरीके की भी सराहना की, साथ ही डायरेक्टर और कलाकारों के अभिनय की भी तारीफ की। मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे आखिरी सवाल की स्टार कास्ट और टीम के साथ यह फिल्म देखने का मौका मिला। यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल के प्रेरणादायक सफर, राष्ट्र निर्माण, सेवा, संगठन और सांस्कृतिक चेतना में उसके योगदान को दमदार तरीके से पेश करने का एक प्रयास है। देश के सामाजिक और वैचारिक जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रसंगों को भी गंभीरता से लिया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 100 साल का सफर सेवा, मूल्यों, संगठन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की एक असाधारण यात्रा रही। हर गांव और गली–मोहल्ले में, संघ के स्वयंसेवकों ने सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने, राष्ट्रीय भावना जगाने और आपदाओं से लेकर सामाजिक उत्थान तक हर क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से काम किया है। उन्होंने आगे लिखा, ष्यह शताब्दी भारत की सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर संकल्प का भी प्रतीक है। इस सार्थक प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग, संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी और पूरी टीम को दिल से बधाई। अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित फिल्म श्आखिरी सवालश का निर्माण निखिल नंदा और संजय दत्त ने किया है और पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके सह–निर्माण से जुड़े हैं।

कानूनी बाधाएं दूर होने से कामाख्या कॉरिडोर का काम गति पकड़ेगा – हिमंता सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि गुवाहाटी में महत्वाकांक्षी मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर परियोजना पर आने वाले दिनों में काम में तेजी आएगी, क्योंकि पुनर्विकास पहल से जुड़ी अधिकांश कानूनी बाधाएं अब दूर हो गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कामाख्या कॉरिडोर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और नीलाचल पहाड़ी पर स्थित पूजनीय कामाख्या मंदिर के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।सरमा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैंने मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकांश कानूनी प्रक्रियाएं अब पूरी हो चुकी हैं, इसलिए आने वाले दिनों में काम में तेजी आएगी। हमारा लक्ष्य मां कामाख्या मंदिर आने वाले सभी तीर्थयात्रियों को एक उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करना है। फरवरी 2024 में शुरू की गई 498 करोड़ रुपए की मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर परियोजना पूर्वोत्तर में सबसे बड़ी मंदिर पुनर्निर्माण पहलों में से एक है, और इसका उद्देश्य देश के सबसे पूजनीय शक्ति पीठों में से एक, ऐतिहासिक कामाख्या मंदिर के आसपास के बुनियादी ढांचे को उन्नत करना है।इस परियोजना का लक्ष्य मंदिर परिसर में भीड़भाड़ को कम करना और श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाना है, विशेष रूप से वार्षिक अंबुबाची मेले जैसे प्रमुख धार्मिक आयोजनों के दौरान, जब लाखों तीर्थयात्री मंदिर में दर्शन करने आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुनर्निर्माण योजना में तीन स्तरीय कॉरिडोर का निर्माण और मौजूदा पहुंच।

ब्राह्मण अपमान पर मायावती का एसपी पर बड़ा हमला, कहा- अखिलेश यादव तुरंत माफी मांगें

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे ने व्यापक आक्रोश पैदा किया है और एसपी नेतृत्व से इसे गंभीरता से लेने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में मायावती ने इन टिप्पणियों को अशोभनीय, और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इनसे ब्राह्मण समुदाय की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। मायावती ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी (एसपी) के एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समुदाय के बारे में हाल ही में की गई अशोभनीय, अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणियों और बयानों ने स्वाभाविक रूप से व्यापक आक्रोश और कड़ी निंदा को जन्म दिया है। इस विवाद के परिणामस्वरूप पुलिस मामला दर्ज होने के बावजूद, मामला शांत होने के कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। हालांकि, एसपी नेतृत्व की संकीर्ण जाति–आधारित राजनीति को देखते हुए इस मुद्दे पर चुप्पी ने मामले को और भी गंभीर बना दिया है और इसे काफी हद तक बढ़ने दिया है। स्थिति भी लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है। मायावती ने आगे जोर देते हुए कहा कि किसी भी सूरत में, सपा प्रवक्ता के गैर–जिम्मेदाराना बयानों से ब्राह्मण समुदाय की गरिमा, सम्मान और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है, इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सपा प्रमुख को तुरंत इसका संज्ञान लेना चाहिए।

योगी की शाह–नवीन से मुलाकात के बाद होगा विभागों का बंटवारा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से अलग–अलग मुलाकात की। इन बैठकों के बाद प्रदेश मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे और संगठनात्मक बदलावों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी ने अमित शाह के आवास पर करीब एक घंटे तक बैठक की। इस दौरान हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के आवंटन, सरकार और संगठन के बीच समन्वय तथा 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा तस्वीरों में योगी आदित्यनाथ अमित शाह को पुष्पगुच्छ भेंट करते नजर आए।10 मई को हुए योगी मंत्रिमंडल विस्तार में सभी 60 मंत्री पद भर दिए गए थे, लेकिन नए मंत्रियों को अब तक विभाग नहीं सौंपे गए हैं। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक चर्चा इसी बात की है कि किस मंत्री को कौन सा विभाग मिलेगा। खासतौर पर लोक निर्माण विभाग (च्ॅक्) को लेकर सबसे ज्यादा अटकलें लगाई जा रही हैं। यह विभाग प्रदेश सरकार का सबसे प्रभावशाली और संवेदनशील विभाग माना जाता है।अमित शाह से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया और 'एक्स' पर तस्वीर साझा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस दौरान प्रदेश संगठन में संभावित बदलावों और नई टीम को लेकर भी चर्चा हुई। भाजपा सरकार और संगठन को नए स्वरूप में ढालकर आगामी चुनावों की तैयारी मजबूत करना चाहती है। बताया जा रहा है कि प्रदेश भाजपा संगठन में नई जिम्मेदारियों को लेकर भी मंथन चल रहा है।योगी सरकार के हालिया विस्तार में छह नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नति दी गई। भाजपा ने इस विस्तार में दलित और ओबीसी वर्ग को विशेष प्राथमिकता दी है। नए मंत्रियों में तीन ओबीसी और दो दलित नेताओं को शामिल किया गया है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि उन्हें केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व तक सीमित न रखकर महत्वपूर्ण विभाग भी दिए जा सकते हैं।

संपादकीय

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य–स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है। भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल–साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं। पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी–दिसबंर 2025 की अवधि में ऐसे कर्मियों को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कर्मियों को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कर्मियों के कामकाजी घंटे क्रमशरू 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतरू इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है। गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018–19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतरू कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटों तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

विधानसभा चुनावों के परिणाम से विपक्षी दलों पर धुंध छाई

अजय दीक्षित

पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर विपक्ष में भ्रम की स्थिति है क्योंकि कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों को लगता है कि भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव हारना काफी मुश्किल है। राजनीतिक विश्लेषकों आशुतोष, जयंत घोषाल, राजीव रंजन,का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनाव में हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र,बिहार, असम, उड़ीसा, और अब पश्चिमी बंगाल में जिस तरह भारतीय जनता पार्टी ने एक तरफा जीत हासिल की है उससे तो लगता है कि 2029 लोकसभा चुनाव का रास्ता उसके लिए साफ हो गया है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा,में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन 240 सीट पर आकर टिक गया था। लेकिन अब वह बात नहीं क्योंकि पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने बाद उसकी 42 लोकसभा सीट पर उसे अब आसानी होगी ।

आशुतोष कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी और अन्य पार्टियां में आइडियोलॉजी का फर्क है। भाजपा चुनाव इस लिए लड़ती है कि वह आरएसएस और अपनी एजेंडे को लागू कर सके चाहे वह अनुच्छेद 370 का मामला हो या राममंदिर का मसला, ।अब भाजपा के समक्ष बांग्लादेशी घुसपैठ, कॉमन सिविल कोड, जैसे बड़े मामले है । जिसमें एक सीट परिसीमन, महिला आरक्षण संबंधी विधेयक संसद से पारित कराने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने अनुसार एक बृहद शिक्षा नीति बनाना चाहता है। दूसरी ओर विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि वे सरकार में सत्ता करने वाला खेल खेलते हैं। यद्यपि दक्षिण भारत में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना में अलग अलग पार्टियों का शासन है लेकिन उनके पास भी हिंदी ब केंद्रीय सरकार का मुद्दा है क्योंकि वे चाहते हैं कि भारत लोकतांत्रिक देश में राज्यों की भूमिका अधिकतर तथ्यों में है।वे रक्षा, वित्त, दूरसंचार,विदेश मामलों तक केंद्रीय सरकार को जिम्मेदार बनाते हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय भूमिका की पक्षधर है। राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस की सरकार आजादी के बाद लगभग साठ साल रही लेकिन उद्देश्य पूर्ण कार्य जवाहरलाल नेहरू, श्री मति इंदिरा गांधी,ने किया बाद में नरसिंह राव सरकार ने भी उदारीकरण नीति बनाई जिससे देश का वित्तीय विकास हुआ , रोजगार का सृजन हुआ। लेकिन उसके बाद अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने भारतीय जनता पार्टी सरकार की नींव रखी थी जिसमें दक्षिण पंथी विचारों को अपनाया गया। लेकिन 2004से ,2014 तक मनमोहन सिंह सरकार ने उद्देश्य हीन ही सरकार चलाई जिसमें भ्रष्टाचार का बोलबाला था। राज्यों में जैसे पश्चिमी बंगाल में 37 साल लेफ्ट पार्टियों की सरकार रही थी उस कालखंड में कोलकाता, पूरे राज्य का ओद्योगिक ढांचा समाप्त हो गया था।टीएमसी ने 15 वर्ष उसे खड़ा करने कोई प्रयास नहीं किया।जुट उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस प्रकार बीएसपी की उत्तर प्रदेश में 2002 से 2007 तक बिना किसी उद्देश्य के चली ।बाद में समाजवादी पार्टी की सरकार 2007से 2012 तक भी कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ । भारत के राज्यों में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, राजस्थान,ने उल्लेखनीय कार्य किया। कांग्रेस, ,बीजेडी,डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस,सपा , टीवीके,आप,एआईडीएमके,राजेडी,सीपीई,सीपीएम, टीआरएस, सहित अनेक पार्टियां ऐसी है कि कुनवा चला रहा है । इन पार्टियां ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी है । जिसमें सपा, डीएमके, तुड़मूल , कांग्रेस,राजद,ने तो मुसलमानों को जैसे वोट बैंक ही बनाया।।इन पार्टियां के प्रमुखों ने अकूत संपत्ति अर्जित की है। 2027 में उत्तर प्रदेश,पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने है ।जिसमें से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी सरकारें है।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के दिल्ली–विमर्श के निहितार्थ

कमलेश

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी–यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति–संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया। देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश – ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं। जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं– पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीरू बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका–केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो। दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधरू भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया। तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतरू बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके। चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंतारू ईरान–इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है। एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है। पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजरू बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की

समस्याओंकृजैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्जकृको वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई। छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगरू भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएरू हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका–विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि "ग्लोबल साउथ" अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति–संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है।

ट्रंप और जिनपिंग की दोस्ती ने बदल डाले वैश्विक राजनीतिक समीकरण

नीरज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा बदलती विश्व व्यवस्था का ऐसा प्रतीक बनकर सामने आई जिसने वैश्विक राजनीति की दिशा पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ट्रंप की लंबी बैठकों, व्यापारिक समझौतों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी सहयोग पर चर्चा तथा अमेरिकी उद्योगपतियों की भारी मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि तमाम टकरावों और आरोपों के बावजूद अमेरिका और चीन एक दूसरे से अलग नहीं हो सकते। इसी के साथ यह सवाल भी तेज हो गया है कि क्या इस यात्रा ने क्वॉड जैसे रणनीतिक समूहों के भविष्य पर भी अनिश्चितता पैदा कर दी है? दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी, तब ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि "अमेरिका भारत को चीन और रूस के हाथों खो रहा है।" यही नहीं, मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ तस्वीरों को वाशिंगटन में रणनीतिक असहजता के रूप में देखा गया था। लेकिन अब वही ट्रंप खुद चीन की धरती पर शी जिनपिंग के साथ बैठकों में व्यस्त रहे। उनके साथ अमेरिका के सबसे बड़े उद्योगपति और तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी मौजूद रहे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि भारत का चीन से संवाद अमेरिका के लिए " भारत को खो देना" था, तो फिर ट्रंप की अपनी चीन यात्रा को क्या कहा जाए? क्या यह अमेरिकी यथार्थवाद है, आर्थिक मजबूरी है या फिर वैश्विक शक्ति संतुलन की नई स्वीकारोक्ति है? ट्रंप की इस यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है। वहीं बीजिंग ने ट्रंप की इस यात्रा को केवल कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि इसे अपनी तकनीकी, आर्थिक और सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में बदल दिया। शहर की सड़कों पर चालक रहित विद्युत वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियां, मानवरूपी रोबोट और डिजिटल विज्ञापन चीन की नई ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। चीन दुनिया को यह संदेश देना चाहता था कि अब वह केवल सस्ती वस्तुएं बनाने वाला देश नहीं बल्कि भविष्य की तकनीकों का नेतृत्व करने वाली शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो ट्रंप की यात्रा ऐसे समय हुई जब अमेरिका ईरान युद्ध के कारण कई मोर्चों पर दबाव में है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार चीन ने ईरान संकट का उपयोग अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के बीच चीन ने ऊर्जा आपूर्ति और हथियारों के जरिये अपनी भूमिका बढ़ाई, जबकि अमेरिका युद्ध और आर्थिक दबावों में उलझा रहा। यही कारण है कि ट्रंप को अंततः बीजिंग पहुंचकर शी जिनपिंग से संवाद करना पड़ा। बीजिंग में हुई बातचीत के दौरान ताइवान सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया। शी जिनपिंग ने साफ कहा कि यदि ताइवान के मुद्दे को ठीक ढंग से नहीं संभाला गया तो दोनों देशों के बीच टकराव और संघर्ष हो सकता है। यह बयान केवल चेतावनी नहीं था बल्कि बदलते शक्ति संतुलन का संकेत भी था। चीन अब अमेरिका से बराबरी की भाषा में बात कर रहा है। ट्रंप की प्राथमिकता हालांकि व्यापार और निवेश रही। उनके साथ एलन मस्क, जेन्सन हुआंग और अन्य अमेरिकी उद्योगपति भी पहुंचे। यह इस बात का संकेत था कि अमेरिकी उद्योग जगत चीन से दूरी नहीं चाहता। दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था और विशाल तकनीकी बाजार से अलग होना अमेरिका के लिए आसान नहीं है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक बयान ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कई संवेदनशील मुद्दों पर व्यावहारिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत दिए। बयान के अनुसार ट्रंप और शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में बाजार पहुंच बढ़ाने, चीन के निवेश को अमेरिका में प्रोत्साहित करने और कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न होने देने पर भी सहमति जताई। चीन ने जलडमरूमध्य के सैन्यीकरण का विरोध दोहराया, जबकि ईरान को

परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देने पर भी साझा रुख सामने आया। यह बयान इस बात का संकेत है कि तीखी प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद अमेरिका और चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर टकराव के बजाय नियंत्रित सहयोग की राह भी तलाश रहे हैं। यही वह बिंदु है जहां क्वॉड का भविष्य भी सवालों में घिरता दिखाई देता है। क्वॉड को लंबे समय से हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाले समूह के रूप में देखा जाता रहा है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की यह साझेदारी चीन को लेकर साझा रणनीतिक चिंता पर आधारित मानी जाती है। लेकिन यदि अमेरिका का राष्ट्रपति खुद चीन के साथ संबंधों को स्थिर करने, व्यापार बढ़ाने और तकनीकी सहयोग तलाशने बीजिंग पहुंचता है, तो फिर क्वॉड की वास्तविक दिशा क्या रह जाएगी? भारत के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली ने क्वॉड को अपनी हिंद प्रशांत रणनीति का अहम हिस्सा बनाया है। लेकिन ट्रंप की चीन यात्रा यह संकेत देती है कि अंततः अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर ही निर्णय लेगा। यदि आर्थिक या सामरिक कारणों से उसे चीन के साथ समझौता करना पड़े, तो वह पीछे नहीं हटेगा। ऐसे में भारत को यह समझना होगा कि वैश्विक राजनीति स्थायी मित्रताओं से अधिक स्थायी हितों पर चलती है। ट्रंप की यात्रा ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार युद्ध तक सीमित नहीं है। यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, दुर्लभ खनिज, चिप निर्माण, समुद्री मार्गों और वैश्विक प्रभाव की व्यापक लड़ाई बन चुकी है। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों देश एक दूसरे पर निर्भर भी हैं। अमेरिका चीन को रोकना चाहता है, लेकिन उसकी कंपनियां चीन के बाजार और विनिर्माण क्षमता से अलग नहीं हो पा रहीं। दूसरी ओर चीन अमेरिकी तकनीक और वैश्विक वित्तीय संरचना से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। इसीलिए बीजिंग में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात केवल दो नेताओं की बैठक नहीं थी। यह उस नई विश्व व्यवस्था की झलक थी जिसमें प्रतिद्वंद्विता और सहयोग साथ–साथ चलेंगे। दोनों देश सार्वजनिक रूप से एक दूसरे को चुनौती देंगे, लेकिन आर्थिक और तकनीकी स्तर पर पूरी तरह अलग भी नहीं होंगे। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की स्थिति बेहद जटिल हो जाती है। एक ओर वह अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखता है और चीन के साथ संवाद भी बनाए हुए है। ट्रंप की चीन यात्रा भारत को यह संदेश भी देती है कि वैश्विक राजनीति में किसी एक धुरी पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। बहरहाल, ट्रंप की बीजिंग यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी की विश्व राजनीति का केंद्र अब अमेरिका चीन संबंध ही होंगे। यही संबंध तय करेंगे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था किस दिशा में जाएगी, तकनीकी नेतृत्व किसके हाथ में रहेगा और भविष्य की विश्व व्यवस्था कैसी होगी। लेकिन इसके साथ ही यह यात्रा एक बड़ा सवाल भी छोड़ गई है कि यदि अमेरिका खुद चीन के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से गढ़ रहा है, तो फिर दुनिया के बाकी देशों से वह किस प्रकार की रणनीतिक निष्ठा की अपेक्षा कर सकता है?

तमिलनाडु – थलपति विजय की क्वांटम लीप

डॉ. सुधीर सक्सेना

क्वांटम लीप वैज्ञानिक शब्दावली का टर्म है, लेकिन यदि भारतवर्ष की बीती अर्द्धशती की राजनीति का सिंहावलोकन करें तो इस टर्म को दक्षिण भारत की राजनीति के सन्दर्भ में बाखूबी प्रयुक्त किया जा सकता है। दक्षिण भारत के मतदाताओं में सिने–कलाकारों के प्रति गजब का क्रेज है और वहां लंबी नीहारिका है, जिसने राजनीति में चमकीली सफलता अर्जित की। एनटी रामाराव, एमजी रामचंद्रन, जयललिता, करूणानिधि और पवन कल्याण की फेहरिस्त में अब एक नया नाम आ जुड़ा है। यह नाम है विजय थलपति का, जो सिने–स्टारडम से लंबी छलांग लगाकर तमिलनाडु जैसे महत्वपूर्ण प्रांत के मुख्यमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचे हैं। थलपति यानि कमांडर के नाम से विख्यात विजय का पूरा नाम है जोसेफ विजय चंद्रशेखर। अगले माह 22 जून को वह अपने जीवन के बावन वर्ष पूरे कर लेंगे। उनके पिता एसए चंद्रशेखर ईसाई हैं और मां शोभा हिन्दु। यह इसी पृष्ठभूमि का प्रभाव है कि वह मंदिर भी जाते हैं और चर्च भी, साथ ही उन्हें मस्जिद और दरगाह जाने में कोई संकोच नहीं होता। तमिल–सिनेमा से उनका नाता इस नाते पुराना है कि उनके पिता सिने निर्देशक रहे हैं और कांग्रेस के प्रति उनकी रूझान रही है। चेन्नै में जनमे विजय की पढ़ाई भी स्थानीय लोयोला कॉलेज में हुई और उन्होंने शुरूआती डेढ़ दो दशक तक अपना ध्यान पूरी तौर पर फिल्मों पर केंद्रित किया। इसके बाद वह सार्वजनिक जीवन की ओर मुड़े और फैन क्लबों के जरिये उन्होंने सधे हुये कदमों से वह यात्रा शुरू की, जिसकी परिणति चार मई, 26 को उनकी आशातीत राजनीतिक सफलता और उपलब्धि में हुई। थलपति विजय आज तमिल सिनेमा की सफलतम और शीर्षस्थ कमाऊ सितारों की सूची में शुमार हैं। वह अब तक 69 फिल्मों में लीड–भूमिकाओं में आ चुके हैं और फिल्म में उनकी मौजूदगी टिकट खिड़की पर सफलता की गारंटी मानी जाती है। यदि उनके जीवन–वृत्त को खंगालें तो दिलचस्प तौर पर पिता के प्रोत्साहन और प्रेरणा पर उन्होंने अपना सिनेमाई सफर सन 1984 में तमिल फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के तौर पर किया। पिता द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों में बाल भूमिकाएं निभाने के उपरांत 18 वर्ष की वय में 1992 में उन्हें नालैया थीर्पु में नायक की भूमिका निभाने का मौका मिला। तदंतर पूर्व उनक्कगा, लव टुडे, कडलुक्कू मरियाधई, थुल्लथ, मानामम थुल्लम, कुशी, प्रियम्मनावले और फ्रेंड्स आदि ने एक दशक में उन्हें तमिल सिने उद्योग में शिखर पर पहुंचा दिया। इसके बाद के ढाई दशक रूपहले पर्दे पर उनकी धूम की दहाई थी। वह तमिल सिने दर्शकों की पहली पसन्द बनकर उभरे। अंततरू सन 2024 में उन्होंने सिनेमा को सायोनारा कह दिया और राजनीति उनका पहला प्रेम बनकर उभरी। दिलचस्प बात है कि इसी साल आई उनकी फिल्म का टाईटिल था ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम। मगर उनकी अंतिम फिल्म जन नायगान का रिलीज होना अभी शेष है। फरवरी, सन 2024 में विजय ने अपनी नयी पार्टी लॉंच की। द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व की अर्द्धशती के परिप्रेक्ष्य में यह एक साहसिक कदम था, लेकिन यह साहस उन्हें फला। नयी पार्टी का उन्होंने नाम रखा तमिलगा वेट्री कझगम। बताते हैं कि वह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के इच्छुक थे। इसके वास्ते उन्होंने राहुल गांधी से भेंट व चर्चा भी की थी, लेकिन द्रमुक से जारी गठबंधन और स्थानीय ईकाई के परामर्श से वह ऐसा करने से हिचक गये। फलतरू कांग्रेस और टीवीके मेल सिरे नहीं चढ़ा। यह सोचना भ्रामक होगा कि थलपति की सियासी सफलता दो वर्ष की सक्रियता का नतीजा है। इसके पीछे बिलाशक उनके फैन क्लबों की गतिविधियों का हाथ है। थलपति ने सन 2009 में अपने फैन क्लब विजय मक्काल इयक्कम की नींव डाली थी। समय के साथ ये फैन क्लब समूचे तमिलनाडु में ओरछोर फैल गये। इन क्लबों ने राहत कार्यों, शिक्षण, प्रशिक्षण और चौरिटी का काम हाथ में लिया। इसने उनकी सिनेमाई छवि में हातिमताई के रंगे भरे। आपदा पीड़ितों के लिये दरवाजे और थैलियां खोलने ने जननायक की संवदेनशील छवि अर्जित करने में मदद की। इसके बावजूद जब–तब उनकी सियासत में रूचि और रूझान सामने आती रही। सन 2011 के चुनाव में उन्होंने अन्नाद्रमुक–नीत गठबंधन को समर्थन दिया। सन 2019 में उन्होंने नागरिकता अधिनियम का यह कहकर विरोध किया कि इससे सामाजिक–धार्मिक सौमनस्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सन 2022 में उनके फैन क्लब के सदस्यों ने निकाय चुनावों में शिरकत की और 115 सीटों पर सफलता पाई। उनकी बढ़ती लोकप्रियता प्रमाण 27 सितंबर, 2025 को करूर में तब मिला, जब उनकी रैली में भगदड़ से 41 लोगों की जानें गयीं। इस पर उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त की और हताहतों के लिये धनराशि वितरित की। थलपति विजय की खूबी है कि उन्होंने करीब 85000 फैन क्लबों की मजबूत चुनावी मशीनरी में बदल दिया है। ये क्लब उन्हें कार्यकर्ता, चुनावी भीड़ और समर्थक तो जुटाते ही हैं, उनकी नायक की छवि में निर्मित करते हैं। जब वह भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की बात करते हैं तो यह छवि उसमें सहायक होती है। उनकी यह इमेज दक्षिण भारतीय मतदाताओं की सितारों के प्रति नैसर्गिक चाहत को पोसती है। मान सकते हैं कि सन 2011 में जयललिता को समर्थन की परिणति ने उनके मन में सियासत में शिरकत का बिरवा रोपा था। बहरहाल, ताजा चुनाव में टीवीके की 108 सीटों पर कामयाबी से वह नया इतिहास रचने में सफल रहे हैं। उन्होंने स्वयं दो सीटों पेरांबूर और त्रिची ईस्ट से चुनाव लड़ा और विजयी रहे। यह भी तय है कि बहुमत से कुछ सीटों का फासला पूरने में वह सफल होंगे। तयशुदा है कि दोनों लेफ्ट पार्टियां भी उन्हें समर्थन देंगी। नतीजों के बाद वह राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा जता चुके हैं। कांग्रेस ने समर्थन के साथ यह शर्त जरूर नत्थी की है कि विजय सांप्रदायिक ताकतों से दूरी बरतेंगे, संवैधानिक मूल्यों का पान करेंगे, थंथाई पेरियार के सामाजिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता रखेगें और पेरूंथ लैवर कामराज के गौरवशाली दिनों की वापसी के लिये जतन करेंगे। जहां तक विजय के विचारों की बात है वह स्पष्ट कर चुके हैं कि द्रमुक उनकी राजनीतिक बैरी है और बीजेपी वैचारिक शत्रु। चुनाव प्रचार के दरम्यान उन्होंने इतनी अधिक लोकलुभावन घोषणायें की हैं कि वित्तीय कारणों से उन्हें अमल में लाना कठिन होगा। तमिल मतदाताओं को उनसे उम्मीद इस नाते है कि वह फैन क्लबों के जरिये मुफ्त कैंटीन, कंप्यूटर वितरण, ब्लड डोनेशन और राहत कार्यों का अभियान चलाते रहे हैं। मीडिया की चकाचौंध से बचने के लिये बाज वक्त वह रूमाल से चेहरा ढंककर अथवा दुपहिया वाहन पर बैठकर घटना स्थल पर गये। वह राहुल गांधी ही नहीं अन्ना हजारे और नरेन्द्र मोदी से भी मिल चुके हैं। वह करूणानिधि और एमजीआर के प्रशंसक हैं। सामाजिक न्याय उनके लिए मायने रखता है। कम ही लोगों को ज्ञात होगा कि वह कुशल और पुरस्कृत गायक हैं और इलैयाराजा और एआर रहमान तक के लिए गा चुके हैं। हां, उनका निजी जीवन विवाद और नुक्ताची का शिकर रहा है। उन्होंने सन 1999 में संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जो श्रीलंका में जनमी ब्रिटिश तमिल युवती थीं। संगीता ने गत वर्ष उनसे तलाक की अर्जी लगाई है, अलबत्ता उनकी दोनों संतानों से उनके रिश्तों को इससे बूझा जा सकता है ।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मनाएगी महाराणा प्रताप जयंती, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह होंगे मुख्य अतिथि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की ओर से राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप जयंती एवं सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह का आयोजन रविवार को सिद्धिकपुर स्थित एक विद्यालय के मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित होगा, जिसमें समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पूर्व सांसद ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य महापुरुषों के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाना और समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करना है। उन्होंने क्षत्रिय समाज से एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में कोई भी राजनीतिक दल क्षत्रिय एवं अगड़े समाज की अनदेखी कर सत्ता में नहीं रह सकता। मत विभाजन रोकने और समाज को शासन–सत्ता में उचित भागीदारी दिलाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। साथ ही उन्होंने सरकार से यूजीसी कानून वापस लेने, समानता स्थापित करने और भेदभाव समाप्त करने की मांग भी उठाई। कुँवर हरिबंश सिंह ने कहा कि समाज को आत्मचिंतन की आवश्यकता है और कठिन समय में साथ खड़े रहने वाले लोगों का महत्व सबसे अधिक होता है। उन्होंने क्षत्रिय समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वजों ने देश, धर्म और न्याय की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस, भगवान बुद्ध, महावीर, जीसस, मोहम्मद, गुरु नानक, कबीर और मीरा जैसी महान विभूतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने मानवता को सत्य, प्रेम और जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों की भागीदारी की अपील की गई है।

दो माह में शिफ्ट होगा नगर निगम जोन एक कार्यालय

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम मुख्यालय लालबाग में चल रहा जोन एक कार्यालय दो में शिफ्ट हो जाएगा। कैसरबाग में चकबस्त कोठी की जमीन पर भूमिगत पार्किंग की ऊपरी मंजिल पर जोन का नया कार्यालय बनाया जा रहा है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बृहस्पतिवार को मौके का निरीक्षण भी किया। इसके अलावा उन्होंने कान्हा उपवन, जोन आठ में सीएम ग्रिड योजना की सड़कों और हैवतमऊ मवैया में झील सुंदरीकरण कार्य और अमौसी में एबीसी सेंटर का काम भी देखा। नगर आयुक्त जोन कार्यालय का निर्माण कार्य 15 दिनों में पूरा करने का निर्देश जोनल अभियंता अतुल मिश्रा को दिया है। इसके लिए डबल शिफ्ट में काम कराने के लिए कहा है। सीएम ग्रिड के तहत रजनीखंड इलाके में इग्नू रीजनल सेंटर के पास बन रही सड़कों का निरीक्षण कर यहां पर बन रहे सेल्फी पॉइंट देखे।यहां खुले में पड़ी हाईटेंशन लाइन को जल्द भूमिगत कराने के निर्देश दिए। यहां नाला निर्माण कार्य जून के अंत तक पूरा करने को कहा। हैवतमऊ झील सुंदरीकरण कार्य को इस महीने पूरा करने के निर्देश दिए। – कान्हा उपवन में जर्जर दीवारों की मरम्मत, वाहनों की मरम्मत के लिए स्थायी कार्यशाला बनाने और कर्मचारियों के आवास को टाउनशिप मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए कहा। अमृत 2.0 योजना के तहत विकसित किए जा रहे राधा सरोवर और प्रेम सरोवर के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अमौसी स्थित वृहद गोशाला के निरीक्षण के दौरान ग्रीनरी विकसित करने, लैंडस्केपिंग और हाईमास्ट लाइट लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मेटल स्क्रैप से कामधेनु गाय की प्रतिमा बनाने, मुख्य गेट का चौड़ीकरण करने और भूसा गोदाम को ऊंचा कराने को कहा। अमौसी स्थित एबीसी सेंटर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद बिजली कनेक्शन और हैंडओवर की प्रक्रिया को पूरा कराने के निर्देश दिए।

पुनर्वास विवि में स्नातक की 1933 सीटों पर अब सीधे प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए स्नातक, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब कुल सीटों में से 50 फीसदी पर सीधे प्रवेश देने का निर्णय लिया है। पहले सभी सीटों पर सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। विश्वविद्यालय के प्रवेश निदेशक प्रो. अनामिका चौधरी ने बताया कि बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए, बीटेक, बीफार्मा, डीफार्मा समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों की 1933 सीटों पर सीधे प्रवेश दिए जाएंगे। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार 15 मई से शुरू होगी और अभ्यर्थी 15 जून तक आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि विषयवार सीटों का पूरा विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव का निर्णय विद्या परिषद की बैठक में लिया गया। इसके तहत अब कुल सीटों को सीयूईटी और गैर–सीयूईटी अभ्यर्थियों के बीच 50–50 अनुपात में विभाजित किया गया है। सीधे प्रवेश अर्हता परीक्षा की मेरिट के आधार पर होंगे, जबकि शेष सीटों पर प्रवेश सीयूईटी (यूजी) 2026 के परिणाम जारी होने के बाद किया जाएगा। सीयूईटी (यूजी) 2026 की परीक्षाएं 11 मई से 31 मई तक प्रस्तावित हैं और परिणाम जून के अंतिम सप्ताह तक आने की संभावना है। विश्वविद्यालय ने आवेदन शुल्क भी निर्धारित कर दिया है। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए शुल्क 100 रुपये और गैर–दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 200 रुपये रखा गया है।

नीट पेपर लीक पर कांग्रेस का हमला, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए को भंग करने की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य जोन के कार्यवाहक अध्यक्ष अंकित तिवारी और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान ने भाजपा सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसीपर गंभीर आरोप लगाए। वक्ताओं ने कहा कि नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक ने लाखों छात्र–छात्राओं और अभिभावकों के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाया है।प्रेसवार्ता में आरोप लगाया गया कि एनटीए परीक्षा संचालन में लगातार विफल साबित हो रही है और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही से बच रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि बार–बार पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और मेहनतकश युवाओं का मनोबल टूट रहा है।अंकित तिवारी ने कहा कि भाजपा की "डबल इंजन सरकार" अब "पेपर लीक उद्योग" में बदल चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्षों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे युवाओं और उनके अभिभावकों के सपनों को नुकसान पहुंचा है। उनका कहना था कि सरकार की कथित भ्रष्ट व्यवस्था के चलते पेपर माफियाओं को संरक्षण मिल रहा है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।अनस रहमान ने कहा कि अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है और नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए पारदर्शी और सुरक्षित परीक्षा प्रणाली जरूरी है।प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए छज। को तत्काल समाप्त कर नई एजेंसी गठित करने की मांग उठाई। उनका कहना था कि इससे परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सकेगा तथा छात्रों और अभिभावकों का भरोसा बहाल होगा।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि युवा कांग्रेस और एनएसयूआई छात्रों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। इसी क्रम में नीट पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा में विफल रही तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।प्रेसवार्ता के बाद समाजवादी छात्र सभा के नगर अध्यक्ष रहे।

तखवा गांव में 14 फीट गहरे सीवर मैनहोल का सुरक्षित निर्माण 900 से अधिक घरों को मिली राहत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर स्थित तखवा गांव क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो एवं चोकिंग की गंभीर समस्या से राहत दिलाने के लिए सुएज द्वारा 14 फीट गहरे दो सीवर मैनहोल का मरम्मत कार्य कराया गया। यह कार्य अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सुएज की टीम ने इसे सफलतापूर्वक पूर्ण किया। जानकारी के अनुसार, एलडीए द्वारा लगभग 50 वर्ष पूर्व डाली गई पुरानी सीवर लाइन को समय के साथ चूहों एवं अन्य कारणों से भारी क्षति पहुंची थी। मैनहोल के भीतर की दीवारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं, जिसके कारण क्षेत्र में लगातार सीवर ओवरफ्लो और चोकिंग की समस्या बनी हुई थी। चूंकि मैनहोल की गहराई 14 फीट से अधिक थी, इसलिए पुनर्निर्माण कार्य तकनीकी रूप से बेहद कठिन था। सुएज द्वारा इस कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कार्यस्थल पर सभी आवश्यक सेफ्टी प्रोटोकॉल अपनाए गए, जिनमें बैरिकेडिंग, गैस मॉनिटरिंग, सेफ्टी उपकरणों का उपयोग तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती शामिल रही। पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध और सुरक्षित तरीके से सम्पन्न कराया गया ताकि कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इन दोनों मैनहोल के निर्माण के बाद तखवा गांव के लगभग 900 से अधिक घरों को सीवर ओवरफ्लो और चोकिंग की समस्या से बड़ी राहत मिली है। ऋसुएज के नेटवर्क मैनेजर रजनीश शर्मा ने बताया, "यह कार्य तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पुराने मैनहोल की आंतरिक संरचना पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। हमारी टीम ने सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। सुएज की प्राथमिकता केवल कार्य पूर्ण करना नहीं, बल्कि सुरक्षित और स्थायी समाधान उपलब्ध कराना है।

डीएम ने एक्सईएन हाइडल पर जताई नाराजगी, एनओसी न देने पर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में तहसील सदर स्थित कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान एनओसी जारी न करने की शिकायत पर डीएम ने एक्सईएन हाइडल के प्रति कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। धन्नोपुर शंकरमंडी निवासी इशरत ने शिकायत करते हुए बताया कि विद्युत बिल का भुगतान करने के बावजूद विभाग द्वारा उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एक्सईएन हाइडल को फटकार लगाते हुए तत्काल समस्या के समाधान का निर्देश दिया तथा कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया। संपूर्ण समाधान दिवस में जमीन विवाद, खतौनी, विद्युत एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 14 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई हेतु भेजा गया। समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर शासन की प्राथमिकताओं, जनसुनवाई व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचने तथा अनुशासन के साथ दायित्वों का निर्वहन करने पर जोर दिया। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालयों में नियमित जनसुनवाई करें और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों को किसी भी स्थिति में लंबित न रखा जाए। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने खराब उपकरणों और व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त कराने, कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

डॉ. राजेश्वर ने पांच मातृशक्तियों को दी एक–एक लाख की आर्थिक मदद

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि किसी परिवार के जीवन में आत्मविश्वास, सुरक्षा और नए भविष्य का संचार करना है। इसी भावना के साथ बृहस्पतिवार को विधायक कार्यालय पराग चौराहा, आशियाना में आयोजित जनसंवाद एवं जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस मौके पर उन्होंने पांच महिलाओं को आर्थिक सहायता के लिए एक–एक लाख रुपये की एफडी भी दी। इनमें बेहटा निवासी शांति गौतम, सहिजनपुर निवासी मंजुला रावत, रहीमनगर पडियाना निवासी जया पांडेय, बादेखेड़ा निवासी पंचवटी श्रीवास्तव और शिवरी निवासी लक्ष्मी सिंह शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने की दिशा में पांच नए तारा शक्ति सिलाई केंद्रों का लोकार्पण भी किया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि 16 अक्तूबर 2022 को चार तारा शक्ति सिलाई केंद्रों की स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ यह अभियान आज एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। विधायक ने कहा कि मातृशक्ति को कौशल, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उन्हें आत्मविश्वास एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगी।

विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने निकले नगर आयुक्त

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को राजधानी में चल रही विभिन्न महत्वपूर्ण विकास और निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव एवं चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा भी मौजूद रहे।नगर आयुक्त ने सबसे पहले कैसरबाग स्थित चकबस्त में निर्माणाधीन जोनल कार्यालय एवं पार्किंग परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने जोन–1 के अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा को निर्माण कार्य डबल शिफ्ट में कराने के निर्देश देते हुए कहा कि फायर सेफ्टी से संबंधित सभी कार्य अगले 15 दिनों में पूरे किए जाएं तथा जून माह के अंत तक पूरी बिल्डिंग का निर्माण हर हाल में पूर्ण हो जाना चाहिए।इसके बाद नगर आयुक्त ने जोन–8 क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्रिड (सीएम ग्रिड) योजना के तहत इग्नू रीजनल सेंटर के पास बन रही सड़कों एवं रजनी खंड क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इग्नू रीजनल सेंटर के निकट बने सेल्फी प्वाइंट का अवलोकन किया और वहां खुले में पड़ी हाईटेंशन लाइन को सुरक्षा की दृष्टि से जल्द भूमिगत कराने के निर्देश दिए।

नहाते समय किशोर की नदी में डूबकर हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद क्षेत्र के जमैथा गांव निवासी 13 वर्षीय किशोर की शनिवार गोमती नदी में नहाते समय डूबकर मौत हो गयी।घटना से परिवार में कोहराम मच गया। ऊक्त गांव निवासी आयुष निषाद(13)पुत्र हरिकिशन निषाद दोपहर को घर से 100 मीटर दूर गोमती नदी में नहाने गया था।वह नहाते समय डूब गया।कुछ लोग नाव से नदी में मछली मार रहे थे।उनकी नजर आयुष पर पड़ी।वह तत्काल कूदकर आयुष को बाहर निकाले।आयुष बेहोश हो चुका था।उसकी हालत गम्भीर थी।घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी गयी।आनन फानन में उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया।वहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा में नई नियुक्ति : शोभा कुशवाहा जी बनीं प्रवेश मंत्री, महिला प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश

लखनऊ/नई दिल्ली। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के संगठन विस्तार एवं महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शोभा कुशवाहा जी को प्रवेश मंत्री, महिला प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में की गई है। शोभा कुशवाहा जी का योगदान और नई भूमिका शोभा कुशवाहा जी लंबे समय से महिला जागरूकता, समाज सेवा, संगठन विस्तार एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति से उत्तर प्रदेश महिला प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा, बेहतर समन्वय एवं संगठनात्मक मजबूती प्राप्त होगी। राष्ट्रीय नेतृत्व का संदेश झ "शोभा कुशवाहा जी जैसी समर्पित और कर्मठ महिला का प्रवेश मंत्री के रूप में चयन संगठन के लिए गर्व का विषय है। उनका योगदान संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएगा।" संगठन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा का संकल्प है । गौ, गंगा, गीता, गायत्री, मठ और मंदिर की रक्षा करते हुए भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाना। संगठन पूरे देश में महिला सशक्तिकरण, संस्कारशाला स्थापना, धर्म रक्षा, शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय है। संपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी, महिला प्रकोष्ठ परिवार एवं उत्तर प्रदेश संगठन टीम ने शोभा कुशवाहा जी को उनकी नई जिम्मेदारी पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। रिपोर्ट रू संगठन मीडिया प्रकोष्ठ राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा जय हिंद ,जय सनातन, जय युवा वाहिनी

मनोनीत सभासदों को दिलाई गई शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शासन द्वारा नगर पंचायत कजगाव में मनोनीत किये गये तीनों सभासदों डॉ राजेश पाण्डेय,संतोष मिश्र , काशी नाथ सेठ को एसडीएम अतिरिक्त सुनील कुमार भारती ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी के जौनपुर के जिलाध्यक्ष अजित प्रजापति ने कहा कि प्रदेश सरकार की विकास की योजनाओं को मनोनीत सभासद गति देने का काम करेंगे।विकास कार्यो में पारदर्शिता आएगी।इस मौके पर मनोनीत सभासदों ने कहा कि हम शासन द्वारा ढ़ी गयी जिम्मेदारी का ईमानदारी व पूरे निष्ठा से पालन करेंगे।इस मौके पर अधिशासी अधिकारी चन्दन सिंह गौंड,ब्लॉक प्रमुख करंजाकला सुनील यादव मम्मन ,दिवाकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रहित में सादगी, बचत और स्वदेशी अपनाएं - पंकज चौधरी

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, किसानों, निजी संस्थानों और आम नागरिकों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जीवनशैली में सादगी, बचत और स्वदेशी भावना अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और राष्ट्रहित के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और आर्थिक चुनौतियों के बीच प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नागरिकों से अपनी जीवनशैली में कुछ सकारात्मक बदलाव करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सामान्य अपील नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होती है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित बनाने के लिए हम सभी को मिलकर योगदान देना होगा। उन्होंने लोगों से पेट्रोल और डीजल का उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार करने की अपील करते हुए सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने "वोकल फॉर लोकल" के मंत्र को अपनाते हुए स्वदेशी और भारत में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने की बात कही।उन्होंने कहा कि अनावश्यक विदेशी यात्राओं और फिजूलखर्ची से बचकर भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। किसानों से अपील करते हुए पंकज चौधरी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया। वहीं आमजन से खाद्य तेल और अन्य संसाधनों का संयमित उपयोग करने की अपील की, ताकि देश की आयात निर्भरता कम हो सके।निजी संस्थानों से अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाए।

अलीनगर विधायक व प्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने राम मंदिर व हनुमानगढी जाकर किया दर्शन पूजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बिहार प्रांत के अलीनगर से विधायक बनने बाद प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने पहली बार शनिवार को राम मंदिर जाकर रामलला का दर्शन पूजन किया।बिहार की लोक गायिका और अलीनगर से ठश्र्च विधायक मैथिली ठाकुर अयोध्या में है। विधायक बनने के बाद शुक्रवार को उन्होंने रामलला के पहली बार दर्शन किए। उसके बाद सरयू की आरती में शामिल हुई। उन्होंने इस दौरान मीडिया से भी बातचीत की।उन्होंने कहा–विधायक के रूप में यह उनकी पहली अयोध्या यात्रा थी, उनके लिए रामलला का दर्शन करना सौभाग्य की बात है। राम दरबार और पूरे परिसर को देखना एक दिव्य अनुभव रहा, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।पार्टी ने उन पर भरोसा किया वह उनके लिए बहुत बड़ी बात है। वह धार्मिक गानों की शूटिंग के लिए अयोध्या पहुंची हैं। अयोध्या के अनेक स्थानों पर उनके गीतों की शूटिंग होगी और वह बेहद जल्द उनके दर्शकों तक पहुंचेगी।रामलला के बाद उन्होंने हनुमान गढ़ी और कनक भवन में भी विशेष पूजन किया।शाम के समय मैथिली सरयू तट पर होने वाली भव्य आरती में शामिल हुईं और मां सरयू का आशीर्वाद लिया।उन्होंने बताया कि वे अपने क्षेत्र अलीनगर की जन समस्याओं को लेकर लगातार सक्रिय हैं और विकास कार्यों को गति दे रही हैं।मैथिली ने अपनी आगामी योजना का खुलासा करते हुए कहा कि उनका मुख्य फोकस युवाओं के स्किल डवलेपमेंट पर है।

एलएलबी के परीक्षार्थियों की बाइक की डिग्गियां तोड़कर 25 मोबाइल और नकदी चोरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद के बाबा बाजार थाना क्षेत्र से चोरी की एक बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ स्थित शांति स्मारक महाविद्यालय में एलएलबी की परीक्षा देने आए दर्जनों परीक्षार्थियों को चोरों ने अपना निशाना बनाया। शातिर चोरों ने परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ी की गई मोटरसाइकिलों की डिग्गियां तोड़कर एक साथ लगभग 25 मोबाइल फोन और भारी मात्रा में नकदी पर हाथ साफ कर दिया।परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों को जब इस सामूहिक चोरी की भनक लगी, तो कॉलेज परिसर के बाहर हड़कंप और अफरा–तफरी का माहौल बन गया।मिली जानकारी के अनुसार, महाविद्यालय में एलएलबी की मुख्य परीक्षा चल रही थी, जिसमें शामिल होने के लिए दूर–दराज से बड़ी संख्या में छात्र अपनी मोटरसाइकिलों से पहुंचे थे। कॉलेज परिसर के भीतर जगह न होने या अन्य कारणों से छात्रों ने अपने वाहन मुख्य गेट और बाउंड्री के पास बाहर कतार में खड़े किए थे। छात्र निश्चिंत होकर परीक्षा कक्ष में अपना पेपर दे रहे थे, इसी बीच सुरक्षा व्यवस्था की चूक का फायदा उठाकर चोरों ने कटर या मास्टर चाबी की मदद से एक के बाद एक कई बाइकों की डिग्गियां कतर डालीं।दोपहर बाद जब परीक्षा समाप्त हुई और परीक्षार्थी अपनी गाड़ियों के पास पहुंचे, तो उनके होश उड़ गए। दर्जनों बाइकों के लॉक और डिग्गियां टूटी हुई थीं और उनके भीतर रखे कीमती स्मार्टफोन, जरूरी दस्तावेज और जेब खर्च के लिए रखी नकदी गायब थी। पीड़ित छात्रों ने तत्काल इस सामूहिक चोरी की सूचना स्थानीय बाबा बाजार थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।पीड़ित विद्यार्थियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए पुलिस को सामूहिक लिखित शिकायती पत्र सौंपा है। छात्रों का आरोप है कि इतने बड़े परीक्षा केंद्र के आसपास स्थानीय पुलिस या कॉलेज प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे, जिसके चलते सुनियोजित तरीके से आए चोरों ने इतनी बड़ी वारदात को आसानी से अंजाम दे दिया और फरार हो गए।इस संबंध में थाना प्रभारी बाबा बाजार ने बताया कि परीक्षार्थियों से मिली लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मामले के खुलासे और चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम को सक्रिय कर दिया गया है। कॉलेज प्रशासन और आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।थाना प्रभारी ने आक्रोशित छात्रों को आश्वस्त किया है कि जल्द ही घटना का अनावरण कर चोरी गया सामान बरामद किया जाएगा और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

छात्रावासों में बाहर से भोजन मंगाने पर लगाएं रोक : राज्यपाल

गोरखपुर, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्रावासों में बाहर से भोजन मंगाने पर प्रभावी रोक लगाई जाए। परिसरों में मादक पदार्थों के प्रवेश पर सख्ती से नियंत्रण किया जाए। विद्यार्थियों को शुद्ध एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ भोजन से सकारात्मक विचार एवं बेहतर व्यक्तित्व का विकास होता है। वह बृहस्पतिवार को जन भवन, लखनऊ में आयोजित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांच के लिए किट विकसित करने या क्रय कर किटों का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। छात्रावासों में बाहर से आने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित ड्रोन का अधिकतम उपयोग किसानों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने शोध गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित किए जाने पर बल दिया। कहा कि तकनीक आधारित नवाचारों को समाजोपयोगी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रावासों में विद्यार्थियों से नियमित संवाद कए जाने विशेष रूप से बालिका छात्रावासों में स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल शिक्षण कार्य तक सीमित न रहकर समाजहित में भी विशेष कार्य करने चाहिए। कुलाधिपति आनंदीबेन ने एमएमएमयूटी की विशिष्ट एवं नवाचारी व्यवस्थाओं को अन्य विश्वविद्यालयों में भी लागू किए जाने पर विचार करने को कहा। उन्होंने स्टार्टअप गतिविधियों में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

डीडीयू में 11, एमएमएमयूटी में तीन नए कोर्स आसान करेंगे रोजगार की राह

गोरखपुर, (संवाददाता)। बदलते दौर में रोजगार को लेकर संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। इसे देखते हुए इन क्षेत्रों में संबंधित पाठ्यक्रमों की मांग तेजी से बढ़ी है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सत्र 2026–27 में 11 नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भी तीन नए कोर्स संचालित किए जाएंगे। डीडीयू के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि नए सत्र में बीसीए (एआई एंड मशीन लर्निंग), बीटेक (एआई एंड डाटा साइंस), इन कम्युनिकेटिव

होम लोन दिलाने के नाम पर हॉस्पिटल संचालिका से छह छह लाख की ठगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। थाना क्षेत्र में ठगी और पुलिस कार्रवाई में ढिलाई का गंभीर मामला सामने आया है। कौड़ीराम स्थित एक हॉस्पिटल की संचालिका पुष्पा ने थानाध्यक्ष को पत्र देकर आरोप लगाया है कि एक व्यक्ति ने होम लोन दिलाने के नाम पर उनसे छह लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता का कहना है कि वह पिछले एक वर्ष से थाने के चक्कर लगा रही हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत पत्र के अनुसार, अप्रैल 2025 में आरोपी ने पीड़िता से संपर्क किया था। आरोपी मूल रूप से झंगहा थाना क्षेत्र का रहने वाला है और वर्तमान में गगहा थाना क्षेत्र के पांडेयपार में किराए पर रह रहा है। उसने खुद को बैंक से जुड़ा कर्मचारी बताते हुए स्टेट बैंक से 60 लाख का होम लोन दिलाने का झांसा दिया और इसके बदले 10 प्रतिशत सिक्योरिटी मनी के रूप में छह लाख रुपये की मांग की। पीड़िता पुष्पा का कहना है कि उन्होंने भरोसा कर आरोपी को छह लाख दिए, जिसमें 70 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर और 5.30 लाख रुपये नकद शामिल थे। कुछ समय बाद जब लोन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी तो उन्हें शक हुआ। बाद में जांच करने पर पता चला कि आरोपी किसी बैंक से जुड़ा कर्मचारी नहीं है ।

मानक पर खड़े नहीं उतर रहे शहर में खुले सैकड़ो पेइंग गेस्ट हाउस

अयोध्या।शहर में खुले सैकड़ो पेइंग गेस्ट हाउस मानक पर खड़े नहीं उतर रहे हैं। यहां पर रहने वाले आगंतुकों के पतो का सत्यापन करना भी संबंधित गेस्ट हाउस के संचालक मुनासिब नहीं समझते हैं।वही कई गेस्ट हाउस ऐसे जगहो पर जहाँ पर रास्ता सकरा व गलियों के चलते चार पहिया छोटे वाहन भी अंदर नहीं जा सकते हैं।जिसके चलते अयोध्या विकास प्राधिकरण, नगर निगम, पुलिस विभाग के साथ साथ फायर विभाग के कार्य शैली पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहा है।लेकिन सत्तादलों व तीन विभागों के अधिकारियों के मिलीभगत से लोगों को नियम कानून को ताख पर रखकर बिना भौतिक सत्यापन के रेवड़ी की तरह होम स्टे और गेस्ट हाउस का लाइसेंस रेवड़ी की तरह बांटा जा रहा है। विकास प्राधिकरण कार्यालय के मुताबिक वर्तमान समय मे शहर के कई मोहल्लों, कॉलोनियों,स्थानों में करीब 1300 से अधिक पेइंग गेस्ट हाउस खुले हुए है। विकास प्राधिकरण की मानक के मुताबिक गेस्ट हाउस खोलने के लिए आने जाने के लिए रास्ते और आपातकाल में छोटी दमकल एम्बुलेंस आदि आने जाने के लिए रास्ते भी होने चाहिए।लेकिन शहर के कई ऐसे मोहल्लों,गलियों व कई सकरी गलियों में इस तरीके पेइंग गेस्ट हाउस खुले हुए देखे जा सकते हैं जो मानक पर खड़े नहीं उतर रहे।सवाल यह उठता है कि आखिर किस बात पर सहमत होकर अधिशयन विभाग ने इन गेस्ट हाउसों को खोलने के लिए एनओसी जारी कर दिया।जबकि यहां पर ना तो निकलने का रास्ता है और ना ही अन्य संसाधन।वहीं पुलिस विभाग भी इन गेस्ट हाउस को ना तो निरीक्षण करती है और ना ही इन गेस्ट हाउस में रुकने वाले लोगों का तथा उनके पतों का सत्यापन करती है। जब कभी शहर में कोई बड़ी घटना हो जाती है तब पुलिस दिखावे की नाम पर कुछ होटलों तथा गेस्ट हाउस में चेकिंग करने का ड्रामा जरूर करती है।वही गेस्ट हाउस के स्वामी भी इन जगहों पर रुकने वाले आगंतुकों के आधार कार्ड का सत्यापन भी नहीं करना चाहते और बिना सत्यापन कराए इन लोगों को कमरे में रुकने के लिए अनुमति प्रदान कर देते हैं।जबकि रामनगरी सुरक्षा के दृष्टि से अति संवेदनशील की श्रेणी में आती है।इसके बावजूद भी यहां पर सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जन विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई को लेकर सपा ने सौपा ज्ञापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी ने पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन व निवमहानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की विरुद्ध को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौपा।समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी ने पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के विरुद्ध राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिला अधिकारी महोदय के माध्यम से सिटी मजिस्ट्रेट को सौपा गया प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट के अनुसार ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि प्रदेश के लाखों मेघावी छात्र ६ छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है नीट की परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक की घटनाओं ने परीक्षा प्रणाली की सुचिता को समाप्त कर दिया है दोषियों पर कठोर कार्रवाई और छात्रों को न्याय दिलाने में सरकार अक्षम है, प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ताओं की जेब काटी जा रही है मीटर की तेज रफ्तार भारी भरकम बिलों ने मध्यम और गरीब वर्ग की कमर तोड़ दी है या सीधे तौर पर जनता के साथ खुली लूट है, घरेलू गैस सिलेंडर और पेट्रोल डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी में आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है।सिलेंडर आज रसोई के कोनों में धूल फाक रहे हैं क्योंकि गरीब जनता गैस भरवाने में असमर्थ है, आवश्यक वस्तुओं जैसे दूध दाल तेल और अन्य खाद्य सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है कमर तोड़ महंगाई के कारण गरीब परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है प्रदेश में कानून व्यवस्था रोजगार से उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल है।प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ताओं पदाधिकारी और नेताओं ने एक स्वर में 2027 में भाजपा सरकार को प्रदेश से हटाकर और अयोध्या की पांचो विधानसभा सीटों से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताकर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार बनाने का संकल्प लिया इस मौके पर निव महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद यादव, एडवोकेट शावेज जाफरी राकेश यादव एडवोकेट, संजय सिंह,रियाज अहमद, सूरज वर्मा आरौनी पासवान, जेपी यादव, दान बहादुर सिंह, जगन्नाथ यादव शक्ति जायसवाल वीरेंद्र गौतम, अंसार अहमद, अनिल यादव, शिवांशु तिवारी,अपर्णा जायसवाल गुड़िया राठौर, सीमा यादव, सीमा पासी,, शिवबरन यादव पप्पू,तरजीत गौड़ गोपीनाथ वर्मा अमृत राजपाल , बृजेश चौहान, विजय यादव, जगदीश यादव, आशीष वर्मा, पार्षद विशाल पाल राम भवन यादव , अर्जुन यादव, जगत नारायण यादव, सर्बजीत यादव, कृष्ण गोपाल यादव, अखिलेश पांडे धर्मवीर, नौशाद मामा, वकार अहमद, महेंद्र शुक्ला, राम अजोर यादव, वसी हैदर गुड्डू, औरंगजेब खान, राशिद सलीम घोसी, विनोद कनौजिया विद्याभूषण पासी, उमेश यादव, अली सईद, नूर बाबू,शिव शंकर शिवा, राजनाथ यादव, अजय यादव, ऋतुराज सिंह,सत्यम यादव, अभय त्रिवेदी,शशांक यादव, चंदन यादव, शहवाज लकी, अनस खान, इश्तियाक खान, शिवम तिवारी, जितेंद्र यादव सतीश वर्मा,,अजय मिश्रा, अनस आदि लोग मौजूद रहे।

सेंसर बेस्ड लाइटों से जगमग होगी नगर पंचायत गोसाईगंज की गलियां

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।नगर पंचायत गोसाईगंज अब जल्द ही दूधिया रोशनी से जगमगा उठेगा।नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी जायसवाल के अथक प्रयासों से नगर के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों के मरम्मत कार्य का शुभारंभ हो चुका है।विगत लगभग 6 माह से नगर के विभिन्न वार्डों से विद्युत पथ प्रकाश व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, किन्तु नगर पंचायत में बजट के अभाव, प्रशासनिक फेरबदल आदि कारण से समय रहते कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी जायसवाल द्वारा विद्युत पथ प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु केंद्रीय वित्त आयोग मद से कार्य कराए जाने के लिए जिलाधिकारी को प्रस्ताव भेजा गया।प्रस्ताव को स्वीकृति मिलते ही नगर पंचायत द्वारा तेजी से कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी जायसवाल ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि एक सप्ताह के भीतर नगर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कर चालू कराया जाए, ताकि नगरवासियों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था मिल सके।उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए नई लगाई जा रही लाइटें सेंसर बेस्ड होंगी, जो अंधेरा होते ही स्वतः जल जाएंगी तथा सूर्योदय होने पर स्वतः बंद हो जाएंगी।इससे ऊर्जा संरक्षण के साथ–साथ नगर की विद्युत व्यवस्था भी आधुनिक और सुचारु बनेगी।अध्यक्ष ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने–अपने वार्ड सभासदों के माध्यम से बंद एवं खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की सूची अध्यक्ष कार्यालय को उपलब्ध कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।इसके साथ ही अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी जायसवाल ने बताया कि नगर की अन्य जनसमस्याओं एवं सफाई व्यवस्था को भी प्राथमिकता के आधार पर लिया जा रहा है। आगामी दिनों में विशेष टीम गठित कर विभिन्न समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु व्यापक अभियान चलाया जाएगा, ताकि नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे को जनता को समर्पित करने की तैयारी

उन्नाव, (संवाददाता)। कानपुर–लखनऊ के बीच 64 किलोमीटर लंबा एलिवेटेडग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे (एनई–6) बनकर तैयार हो गया है। प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे के बाद अब इस एक्सप्रेसवे का भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पण कराने की तैयारी शुरू की है। सूत्रों के अनुसार स्थान तय होने के बाद मुख्यमंत्री भी किसी दिन स्थलीय निरीक्षण करने आ सकते हैं। 24 या 25 मई को एक्सप्रेसवे का लोकार्पण हो सकता है। गुरुवार को डीएम घनश्याम मीना, एसपी जयप्रकाश सिंह, एनएचएआई के परियोजना निदेशक परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम के आयोजन के लिए कानपुर–लखनऊ हाईवे (एनएच 27) की तरफ उन्नाव और कानपुर के बीच आजाद मार्ग चौराहा और उन्नाव–लालगंज हाईवे पर कोरारी के पास बनाए गए एक्सप्रेसवे कट के पास जनसभा स्थल के लिए जगह देखी। हालांकि अधिकारी अभी प्रधानमंत्री का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित होने या प्रधानमंत्री कार्यालय से ऐसी कोई सूचना मिलने से इन्कार कर रहे हैं। एनएचएआई के पीडी नकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के 15 से 20 दिन पहले आधिकारिक सूचना जारी होती है। हालांकि बृहस्पतिवार तक कोई सूचना या कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है।

भीषण गर्मी में महानगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में तक विद्युत आपूर्ति बाधित,लोग परेशान

अयोध्या।इस समय भीषण गर्मी मे महानगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विद्युत आपूर्ति बाधित है।कब बिजली बहाल हो जाये और कब कटौती हो जाये कुछ नहीं पता।सब बिजली विभाग की मर्जी है।देखा जाये तो जरा सी हवा चली या बरसात हुई तो ट्रिपिंग होना आम बात हो गई है।लेकिन यहाँ बिजली कब बहाल होंगी सब राम भरोसे है। इस समय भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली को लेकर हाहाकार मचा है।ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे से अधिक की कटौती हो रही है जो आपूर्ति भी हो रही है वह काफी लो–बोल्टेज में है जिससे एसी, कूलर तो छोडे पंखा भी ठीक से नहीं चल रहा है।महागनर के कई कालोनियों व मुहल्लों में भीषण कटौती से लोगों का जन जीवन अस्त व्यवस्त हो गया है।शहर वासियो मे इनके प्रति नाराजगी है।देखा जाये तो पिछले दिनों से महानगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बिजली के लिए लोग परेशान है।इस गंभीर समस्या पर बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे है और सता दल व अन्य दलों के नेता ध्यान दे रहे है।देखा जाये तो ये अधिकारी, कर्मचारी व सत्तादल व अन्य दलों के नेता एसी छोड़ कर बाहर नहीं निकलना ही नहीं चाहते। रहे शिकायतें है, इस पर कार्यवाही होगी

सड़क हादसे दो व्यक्तियों की मौत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। शनिवार को थाना पटरंगा क्षेत्र में गनौली के पास सड़क हादसा हो गया।हादसे मे दो व्यक्तियों की जान चली गई।मिली जानकारी के मुताबिक अज्ञात वाहन की टक्कर से कटघर निवासी राम प्रकाश रावत व अधावननगर निवासी चंदे की मौत हो गई।दोनों को सीएचसी रुदौली लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया।सूचना पर हाईवे चौकी पुलिस पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए।घटना की सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक राम चंद्र यादव ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया।

नहीं रहे अमित कुमार मणि त्रिपाठी,पंचतत्व मे विलीन

अयोध्या। शहर के बछड़ा सुलतानपुर मे रह रहे अमित कुमार मणि त्रिपाठी की आसमयिक मृत्यु शुक्रवार की रात हो गयी।अमित कुमार मणि त्रिपाठी की मृत्यु की खबर पाते ही आसपास के इलाके में तथा सगे संबंधियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी।बताते चले हुए पिछले कुछ माह से ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थे।जिन का इलाज लखनऊ के एक अस्पताल में चल रहा था।बताते चले कि उन्होंने अपने पीछे अपने माता, पत्नी, एक बेटी,एक बेटा, भाई को रोता बिलखता छोड गये।उनका दाह संस्कार अयोध्या स्थित श्मशान घाट पर गमगीन माहौल मे किया गया।मुखाग्नि उनके छोटे भाई देव मणि त्रिपाठी ने दिया।इस मौके पर अशोक त्रिपाठी,राजेश श्रीवास्तव, डॉक्टर अजय तिवारी,राजन तिवारी सहित कई व्यक्ति मौजूद रहे।देर शाम तक उनके घर पर सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी रही।

गड्ढों में तब्दील सड़क को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।तारुन क्षेत्र के फतेहपुर कमासिन गांव में बदहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। समाजसेवी सत्य प्रकाश मिश्र ने सैकड़ों ग्रामीणों के हस्ताक्षरयुक्त मांग पत्र मुख्यमंत्री को भेजकर तारुन–नंसा मार्ग से किलकोरे निषाद के घर से हिरावनपुर (पांडेय का पुरवा) तक लगभग दो किलोमीटर जर्जर सड़क के तत्काल निर्माण की मांग की है।पत्र में कहा गया है कि वर्षों से यह सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है और स्थानीय लोग लगातार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से मरम्मत की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन किसी ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। हालत यह है कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों ग्रामीणों का आवागमन होता है और बारिश के दौरान सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं रहता।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि बरसात शुरू होने से पहले सड़क निर्माण नहीं कराया गया तो बड़े हादसे हो सकते हैं। समाजसेवी सत्य प्रकाश मिश्र ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ती है, बावजूद इसके जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

देखते ही देखते धू धू करके जलने लगी ट्रक

अयोध्या।शनिवार को शाम अंबेडकर नगर मार्ग पर स्थित दर्शन नगर पावर हाउस गेट के सामने उस समय हड़कंप मच गया।जब उधर से गुजर रही चलती ट्रक में अचानक आग लग गई।देखते देखते ट्रक धू धू करके जलने लगी। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में ट्रक ड्राइवर तथा खलासी किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।